सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

प्रथम सप्ताह स्वमान - मैं आत्मा विश्वकल्याणकारी हूँ...।

मैं शुद्ध, पवित्र आत्मा इस संसार में सर्व का कल्याण करने के लिए ही अवतरित हुई हूँ..., मुझे तो प्रकृति सहित सारे विश्व का कल्याण करना है।

योगाभ्यास – मैं आत्मा मास्टर सर्वशक्तिवान हूं, मास्टर ज्ञान सूर्य हूं...। मेरे मस्तक और नयनों से निरन्तर सकाश निकल कर चारों ओर फैल रही है। विश्व की सर्व आत्माओं के व्यर्थ संकल्प व विकर्म भस्म हो रहे हैं..। सर्वशक्तियों से सम्पन्न मैं आत्मा अपने अव्यक्त आकारी फरिश्ते चोले में विश्व के ग्लोब पर बैठी हूं..., सर्व आत्माओं का कल्याण हो..., सबके दु:ख दूर हो जाएं..., सर्व आत्माएं सम्पूर्ण बन जाएं..., ऐसे अनुभव करें कि मेरी नज़र संसार की सभी आत्माओं पर पड़ रही है..., सर्व आत्माएं बाबा की सर्वशक्तियों रूपी किरणों में नहा रही हैं...। प्रकृति के पांचों तत्वों सहित सभी आत्माएं पावन बनती जा रही हैं...।

योग का प्रयोग – सकाश द्वारा अन्यात्माओं की बुद्धि को बदलने की सेवा करना, जिस आत्मा की सेवा करनी है उसे इमर्ज कर विचार देना है कि आप बहुत अच्छी आत्मा हो, आप विश्वकल्याणकारी आत्मा हो, आप मेरे फ्रेन्ड हो। ऐसे ही किसी को शराब छुड़ाने के लिए विचार दे सकते हैं कि यह बहुत खराब आदत है, इससे बहुत नुकसान होता है, इसे आप छोड़ दो। क्योंकि जो विचार हम परमात्म याद में करते हैं उस समय उस आत्मा को इमर्ज करके देंगे, जो विचार देंगे वह उनके मन को पूरा टच होगा। इसका प्रयोग सात दिन या इक्कीस दिन अवश्य करना है, इसके लिए मन बिल्कुल शुद्ध हो। सम्पूर्ण विश्वास के साथ ये सेवा करनी है। सदा याद रहे – जैसा बाप वैसे बच्चे, जिस प्रकार बाबा के मन में सदैव सर्व के प्रति कल्याण की भावना समाई हुई है उसी प्रकार मेरे मन में भी सर्व आत्माओं के प्रति कल्याण की भावना भरी हुई हो। क्योंकि हम सब आत्माएं एक ही परिवार के हैं, एक ही घर से आएं हैं, एक ही पिता के बच्चे हैं तो फिर भेदभाव हो ही नहीं सकता। इसलिए हम किसी के प्रति अकल्याण का संकल्प भी नहीं कर सकते।

बाबा से दोस्ती का अनुभव भी करें – एक शिव बाबा ही मेरा सच्चा दोस्त है....., अपने प्यारे दोस्त से बातें करें..., मेरे प्यारे दोस्त शिव बाबा आप कितने मीठे, सर्व के हितकारी हो..., आपने मेरे से दोस्ती कर मुझे कितना कुछ दिया, मेरी सर्व समस्याओं को हल कर दिया..., हर समय आप मेरे पास चले आते हो..., सचमुच मेरे जिगरी दोस्त आपने मेरा जीवन ही खुशबूदार बना दिया...। जीवन में सुख, शान्ति, आनंद व खुशियों की खुशबू बिखेर दी...। मैं धन्य-धन्य हो गया। मेरे दिलाराम शिव बाबा आपकी इस नि:स्वार्थ दोस्ती से मैं हल्का हो गया, लाईट हो गया।

धारणा – निर्विकल्प संकल्पों के साथ नि:स्वार्थ सेवा करनी है। ज़रा भी स्वार्थ की भावना न हो।

चिन्तन – हम स्वयं से व दूसरों के साथ अच्छा व्यवहार कैसे करें? चिन्तन कर अच्छे-अच्छे विचार लिखें।

अपने से पूछो – मैं क्या पुरुषार्थ करता हूँ, और क्या कर सकता हूँ - निश्चय ही मन गवाही देगा कि मैं जो पुरुषार्थ कर रहा हूँ, उससे कई गुणा ज्यादा कर सकता हूँ। तो जो मैं कर सकता हूँ वो तो कर लूं ताकि अंत में मेरा मन यह सोचकर न पछताए कि मैं कर तो सकता था, परन्तु मैंने किया नहीं।

द्वितीय सप्ताह स्वमान - मैं डबल लाइट फरिश्ता हूँ।

फरिश्ता अर्थात् डबल लाईट। डबल लाईट अर्थात् तन भी लाईट और मन भी लाईट। मन में किसी भी प्रकार के व्यर्थ का बोझ नहीं हो। यदि किसी भी प्रकार का मन-बुद्धि पर बोझ होगा...तो डबल लाईट फरिश्ते स्वरूप का अनुभव कर नहीं सकेंगे...इसलिए कोई भी बोझ हो..तो उसे बाप को देकर डबल लाईट बन उड़ती कला का अनुभव करें।

योगाभ्यास – स्वयं भगवान हमारा बाप, टीचर और सतगुरु है। ज़रा देखें..अपने सर्वश्रेष्ठ भाग्य को कि स्वयं भगवान, बाप के रूप में हमारी कितनी श्रेष्ठ पालना कर रहे हैं, शिक्षक के संबंध में देवपद के लिए पढ़ाई पढ़ा रहे हैं और सतगुरु के संबंध में वरदानों से सहज हमें भरपूर कर रहे हैं। तो इतना श्रेष्ठ भाग्य क्या स्वप्न में भी सोचा था कि भगवान बाप इतना हमारे ऊपर बलिहार जायेंगे..ज़रा सोचो...भक्त लोग भगवान के गीत गाते हैं और भगवान आप भाग्यवान बच्चों के गीत गाते हैं।

धारणा – दुआएं देना है और दुआएं लेना है - मानो आपका योग नहीं लगता है, धारणाएं थोड़ी कम होती हैं, भाषण करने की हिम्मत नहीं होती है तो भी कोई बात नहीं है, केवल एक ही कार्य करो कि हमें दुआएं देनी है और दुआएं लेनी है...यह एक बात पक्का करो तो इसमें सबकुछ आ जायेगा। करके देखो, पहले एक दिन अभ्यास करके देखो...फिर सात दिन करके देखो..। कुछ भी हो जाए..कोई कुछ भी देवे..बद्दुआ भी मिलेगी और क्रोध की बातें भी सामने आएंगी। लेकिन एक ही लक्ष्य सामने रहे कि हमें दुआएं देनी है और दुआएं लेनी है। यदि दृढ़ निश्चय है तो दृढ़ निश्चय वाले की विजय निश्चित है।

चिन्तन – बोझ के समय की स्थिति और डबल लाईट के समय स्थिति क्या होती है, लिखें। जो बंधन हमें डबल लाईट बनने नहीं देते उनकी लिस्ट निकाल लें। सर्व प्रकार के बंधनों से मुक्त होने की विधि क्या है? सर्व बंधनों से मुक्त आत्माओं की निशानी क्या होगी? छ: मास के लिए होमवर्क का प्लान बनाएं। इसके लिए पन्द्रह दिन में कोई एक बंधन जो हमारे मन-बुद्धि को बार-बार प्रभावित करता हो, उसे समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प करने के साथ बार-बार उसे रिवाइज़ और रियलाइज़ करें। साधकों के प्रति – प्यारे बापदादा ने हम सभी बच्चों को यह इशारा दिया है कि जैसे सेवा उमंग-उत्साह से करते हो..ऐसे ही स्वयं के प्रति भी स्व-सेवा करो। स्व-सेवा अर्थात् स्वयं को चेक करना और बाप समान बनना। बाप समान बनना अर्थात् जैसे बाप सर्व बन्धनमुक्त है...डबल लाईट है...ऐसे बाप समान डबल लाईट..सर्व बंधनमुक्त हम भी बनें। किसी भी प्रकार का बोझ नहीं, कोई भी कमी-कमज़ोरी नहीं...सब बाप को देकर डबल लाईट बन संगमयुग में जीवनमुक्त स्थिति का अनुभव करें।

असमानता को दूर... पेज 1 का शेष

इस अवसर पर भारत सरकार के अन्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी ईश्वरैय्या ने कहा कि बाबा ने जो ज्ञान दिया वह सर्व मनुष्यात्माओं के आन्तरिक विकास के लिए ज़रूरी है। यदि आन्तरिक मूल्यों का विकास नहीं होगा तो मनुष्य कभी भी अपने जीवन में तरक्की नहीं कर सकता। यही कारण है कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ने पूरे विश्व में लोगों को एकता के सूत्र में पिरोने का प्रयास किया है। छत्तीसगढ़ के लोकायुक्त लालचन्द भांदू ने कहा कि हम तो काफी समय से इस संस्था से जुड़े हैं और इसके ज्ञान का श्रवण करते हैं और आज के समाज के बदलाव के लिए मनुष्य के संस्कारों में बदलाव लाना अति आवश्यक है। बाबा ने अस्सी के दशक में जो ज्ञान का पौधा लगाया वह आज विशाल रूप धारण कर चुका है। इसके साथ ही संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी, महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. रमेश, ब्र.कु. बृजमोहन, सूचना निदेशक ब्र.कु. करुणा समेत बड़ी संख्या में लोगों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बाबा के पद्चिन्हों पर चलने की अपील की। साथ ही वर्तमान समय लोगों में सदाचार और सदभाव बढ़ाने पर ज़ोर दिया।

इस अवसर पर ग्राम विकास प्रभाग की अध्यक्षा ब्र.कु. मोहिनी, कार्यक्रम संयोजिका ब्र.कु. मुन्नी, मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. ओम प्रकाश, ज्ञानामृत के सम्पादक आत्म प्रकाश समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

वलसाड-गुज.। ''सकारात्मक जीवनशैली'' कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु. रोहित, नगरपालिका प्रमुख सोनल बहन, ब्र.कु. उषा, ब्र.कु. रंजन तथा डॉ. दिनेश वैद्य।

बिलासपुर-छ.ग.। स्वास्थ्य मंत्री अमर अग्रवाल को नए वर्ष की बधाई एवं ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.सविता। साथ हैं पिछड़ा वर्ग के अध्यक्ष डॉ.सोमनाथ यादव, राधेश्याम यादव, सतीश यादव, अजीत भोगल तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति।

तासगांव-महा.। विधायक संजय काका पाटिल को ईश्वरीय सौगात एवं जन्मदिन की बधाई देने के बाद ब्र.कु.वैशाली, ब्र.कु.सुरभी, वसंत काका तथा अन्य।

मुम्बई-मलाड। फिल्म प्रोड्यूसर और डायरेक्टर सुभाष घई के जन्मदिन पर बधाई एवं ईश्वरीय संदेश देते हुए ब्र.कु.नीरजा, ब्र.कु.संजय तथा अन्य।

वार्शी। "एवरहैप्पी मेडिटेशन ग्रुप" के वार्षिकोत्सव पर केक कटिंग करते हुए ब्र.कु.संगीता, ब्र.कु.अमिता तथा ब्र.कु.शकुंतला।

अलीगढ़-उ.प्र.। सेवाकेन्द्र के उद्घाटन समारोह में नृत्य प्रस्तुत करती कन्या मनी। मंचासीन हैं ब्र.कु.नन्दकिशोर,आगरा, ब्र.कु. अश्वना, ब्र.कु.शीला तथा अन्य।